विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लक्खीसराय

वर्ग-दशम्

विषय-हिन्दी

।। अध्ययन-सामग्री ।।

बच्चों कल के live class के दौरान वाक्य को समझने के संदर्भ में कुछ असमंजस शेष रह गया था । उसे सुलझाने के लिए मैंने क्रिया की पूरी व्याख्या दी है । आप इसे ध्यानपूर्वक पढ़ें और मुख्य क्रिया को अच्छी तरह समझें ताकि आपके अंदर जो भी मुख्यक्रिया को लेकर असमंजस है, दूर हो जाएगी । आप मिश्र वाक्य को भी समझ पाओगे ।

कल की कक्षा में एक वाक्य – उसने कहा कि मैं परिश्रमी हूं । इस वाक्य में आप मुख्य

क्रिया की परिभाषा को फिट करके देखोगे तो आप पाओगे कि 'उसका कहना ' महत्वपूर्ण है न कि मैं परिश्रमी हूं । इस वाक्य में कर्ता उसने है मैं नहीं ।

संरचना या प्रयोग के आधार पर क्रिया के भेद

संरचना या प्रयोग के आधार पर क्रिया के भेद इस प्रकार हैं-

मुख्य क्रिया, सहायक क्रिया, रंजक क्रिया, संयुक्त क्रिया, सरल क्रिया, नामिक क्रिया, नामधातु क्रिया, प्रेरणार्थक क्रिया, पूर्वकालिक क्रिया, अनुकरणात्मक क्रिया

मुख्य क्रिया

क्रिया का एक अंश जो मुख्य अर्थ प्रदान करता है, उसे मुख्य क्रिया कहते हैं अथवा कर्ता या कर्म के मुख्य कार्यों को व्यक्त करने वाली क्रिया 'मुख्य क्रिया' कहलाती है।

जैसे -

1. राधा दूध लाई।

2. मोहन ने दुकान खोली।

उपर्युक्त वाक्यों में 'लाई'और 'खोली'शब्द ही 'कर्ता'या 'कर्म के मुख्य कार्यों को व्यक्त कर रहे हैं, अतः ये मुख्य क्रियाएँ हैं।

1- – सहायक क्रिया

सहायक क्रिया उसे कहते हैं जो क्रिया पदबंध में मुख्य अर्थ न देकर उसकी सहायक हो अर्थात् मुख्य क्रिया के अलावा जो भी अंश शेष रह जाता है, उसे सहायक क्रिया कहते है।

जैसे -

1. पिताजी अख़बार पढ चुके हैं।

2. माता जी खाना बनाने लगीं।

उपर्युक्त वाक्यों में मुख्य क्रिया 'पढ़'तथा 'बनाने'के साथ 'चुकी और 'लगीं'सहायक क्रियाएँ जुड़ी हैं।

उदाहरण -

लड़के क्रिकेट खेल चुके हैं।

मुख्य क्रिया - खेल

सहायक क्रिया - चुके हैं

2- – रंजक क्रिया

जब कोई क्रिया मुख्य क्रिया के साथ जुड़कर मुख्य क्रिया को और प्रभावशाली बनाती है, तब वह रंजक क्रिया कहलाती है। प्रत्येक रंजक क्रिया का प्रयोग प्रत्येक मुख्य क्रिया के साथ नहीं किया जा सकता।

जैसे -

1. महेश को रोना आ गया।

इसमे 'आना''अतिशयता बोधक'है।

रोना = मुख्य क्रिया

गया = सहायक क्रिया

आना = रंजक क्रिया

2. वह अधिकतर घूमा करता है।

घूमा = मुख्य क्रिया

है = सहायक क्रिया

करना = अभ्यास बोधक

उपरोक्त वाक्य में (क्रिया) 'करता'रंजक क्रिया है जो मुख्य क्रिया के साथ जुड़कर जो उसे प्रभावशाली बना रहा है।

–

3- – संयुक्त क्रिया

हिंदी में क्रिया कभी एक पद द्वारा प्रकट होती है और कभी एक से अधिक पदों द्वारा।

1. मोहन आया

इसमें आया क्रिया एक पद वाली है।

2. मोहन आ चुका है।

उपरोक्त में आ चुका है में तीन पद हैं = आ + चुका + है।

अतः हम कह सकते है कि जब दो या दो से अधिक क्रियाएँ आपस में मिलकर एक पूर्ण क्रिया बनाती हैं, तो उन्हें संयुक्त क्रिया कहते हैं।

जैसे -

(1) मैं दिल्ली गया था।

(2) सीता पढ़ रही है।

- उपर्युक्त पहले वाक्य मे दो क्रियाएँ है = गया + था।

- दूसरे वाक्य में तीन क्रियाएँ मिलकर = पढ़ + रही + है।

- इस प्रकार एक से अधिक क्रिया होने तथा उसका संयुक्त रूप प्रयुक्त होने के कारण ये संयुक्त क्रियाएँ है।

4- – सरल क्रिया/मूल क्रिया

सरल क्रिया उसे कहते हैं जो भाषा में रूढ शब्दों की तरह प्रचलित होती है। इस क्रिया का हम मूल क्रिया भी कहते हैं। क्योंकि न तो यह क्रिया किसी अन्य क्रिया से व्युत्पन्न हुई है और न ही एक से अधिक क्रिया रूपों के योग से बनी है इसीलिए इसे हम मूल क्रिया कहते हैं।

जैसे - आना, जाना, लिखना, पढ़ना आदि।

– नामिक क्रिया/मिश्र क्रिया

मिश्र क्रिया के अंतर्गत पहला अंश संज्ञा, विशेषण या क्रियाविशेषण का होता है तथा दूसरा अंश क्रिया का होता है।